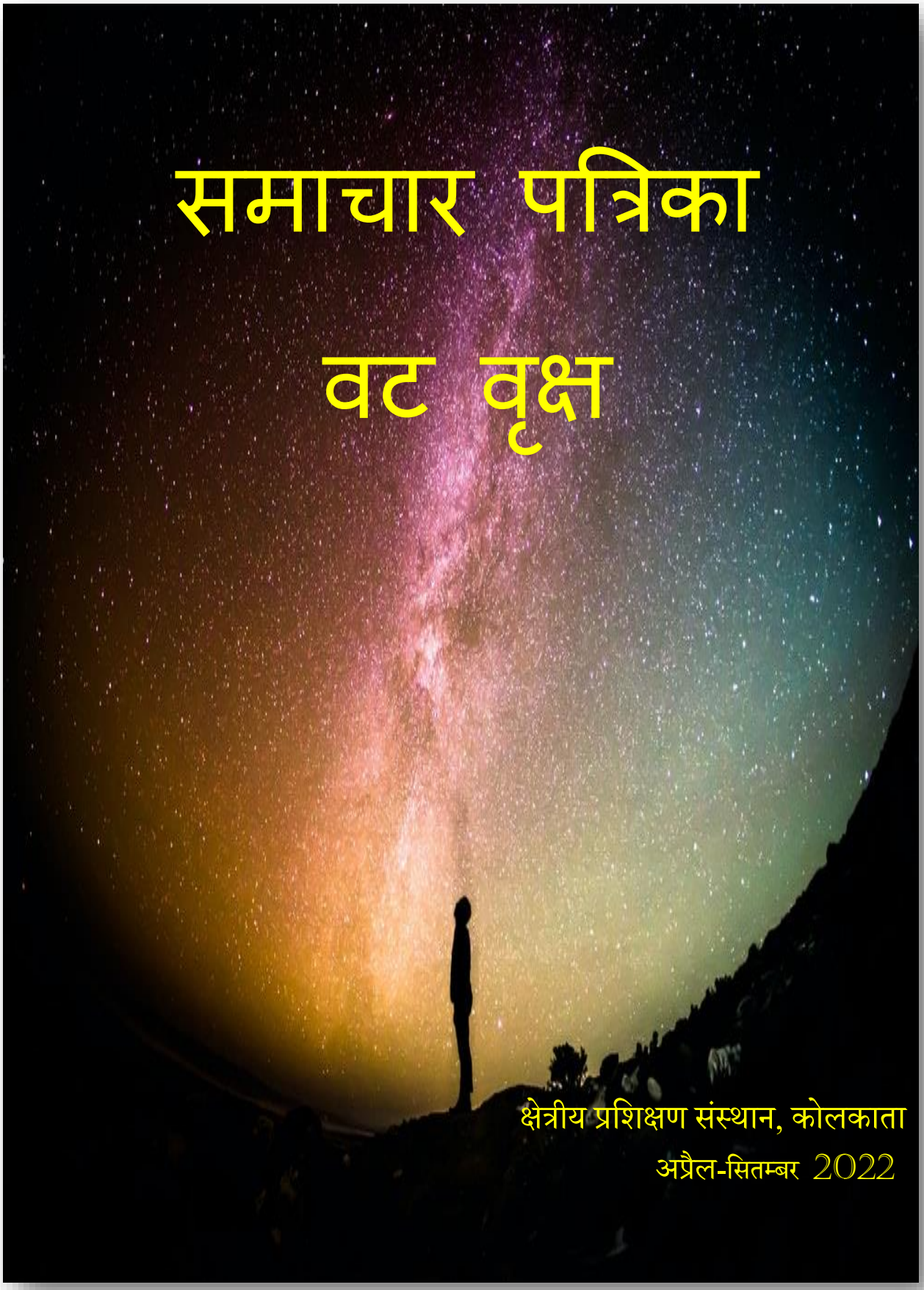
समाचार पत्रिका
वट वृक्ष
क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थान, कोलकाता
अप्रैल-सितम्बर 2022

प्रधान निदेशक की कलम से

प्रिय पाठक,

मुझे इस वित्त वर्ष की जून **2022** और सितंबर **2022** में समाप्त होने वाली प्रथम और द्वितीय तिमाही के लिए यह समाचार पत्रिका जारी करते हुए खुशी हो रही है।

हमारे उपयोगकर्ता कार्यालयों की मदद से हमने अपने प्रशिक्षण जनादेश को पूरा करने के लिए काम करना जारी रखा है। इस वर्ष की पहली तिमाही के दौरान भारत के उप नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (रेलवे), श्री सुनील एस दाधे ने क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थान, कोलकाता का दौरा किया और प्रशिक्षु डीआरएओ (रेलवे) से मुलाकात की। हमने संपूर्ण भारत के प्रतिभागियों के साथ पीआरआई ऑडिट (पंचायती राज) पर एक अखिल भारतीय प्रशिक्षण कार्यक्रम और रेलवे ऑडिट (इलेक्ट्रिकल और सिग्नलिंग) पर एक अन्य अखिल भारतीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। इनके अलावा, क्षे.प्र.सं, कोलकाता ने विभिन्न एमसीटीपी पाठ्यक्रम स्तर **2** और **3** का संचालन किया।

14 जुलाई, **2022** को क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थान, कोलकाता में क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थान, कोलकाता और आईसीएमएआई मैनेजमेंट अकाउंटिंग रिसर्च फाउंडेशन के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। मुझे उम्मीद है कि आने वाले वर्षों में क्षे.प्र.सं, कोलकाता को इस समझौता ज्ञापन से अत्यधिक लाभ होगा।

सुदूर संवेदन प्रौद्योगिकी, जीआईएस और इसके अनुप्रयोग की मूल बातें पर एक मौलिक ज्ञान और अवलोकन प्रदान करने के लिए क्षेत्रीय सुदूर संवेदन केंद्र-पूर्व, एनआरएससी के सहयोग से क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थान, कोलकाता में **19** से **23** सितंबर **2022** तक "जीआईएस के माध्यम से लेखापरीक्षा" पर एक इसरो-आई.ए और ए.डी. प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया था।

हम प्रशिक्षण प्रदान करने में उच्च मानकों तक पहुंचने के अपने प्रयासों का वादा करते हैं और अपने हितधारकों की क्षमता निर्माण की आवश्यकता को पूरा करना जारी रखेंगे।

मैं भविष्य में इस समाचार पत्र के माध्यम से क्षे.प्र.सं, कोलकाता के प्रदर्शन और उपलब्धियों के बारे में अपने सभी पाठकों को बताता रहूँगा।

हम समाचार पत्रिका को बेहतर बनाने के लिए पाठकों के इनपुट के साथ-साथ क्षे.प्र.सं में प्रशिक्षण सामग्री के लिए विचारों का स्वागत करते हैं।

अतुल प्रकाश

प्रधान निदेशक

क्षे.प्र.सं, कोलकाता

क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थान, कोलकाता द्वारा 21 जून 2022 को योग दिवस समारोह

योग एक शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक अभ्यास है जिसकी उत्पत्ति प्राचीन भारत में हुई थी। इस वर्ष की थीम 'मानवता के लिए योग' थी। हमारे जीवन में योग के महत्व को कम करके नहीं आंका जा सकता है। यह एक ऐसी दुनिया के लिए वरदान साबित हुआ है जो तेजी से भागती जीवनशैली और कोविड-19 महामारी के नकारात्मक परिणामों से जूझ रही है।

2015 से हर साल 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाया जाता है। अधिकारियों एवं कर्मचारियों को स्वस्थ और रोग मुक्त जीवन के लिए प्रोत्साहन देने हेतु इस कार्यालय द्वारा 21 जून 2022 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया है। उत्सव के एक भाग के रूप में, इस कार्यालय द्वारा 21.06.2022 को प्रातः 08:00 बजे से 10:00 बजे तक एक योगा सत्र का आयोजन किया गया था। यह सत्र का आयोजन 'अरुणाचल भवन', साल्ट लेक, कोलकाता से सटे खाली हरी भूमि में किया गया था। इस संस्थान के अधिकारियों/कर्मचारियों सहित प्रधान निदेशक ने योग सत्र में भाग लिया। इस संस्थान के अधिकारियों/कर्मचारियों के साथ प्रधान निदेशक ने योग सत्र में भाग लिया और योग प्रशिक्षक के मार्गदर्शन में योग आसन किए। यह सत्र लगभग 45 मिनट तक चलता रहा और पूरा होने के बाद सभी प्रतिभागियों के लिए जलपान की व्यवस्था की गई।

क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थान, कोलकाता द्वारा 21 जून 2022 को योग दिवस समारोह

क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थान, कोलकाता द्वारा 21 जून 2022 को योग दिवस समारोह

योग पर विशेष सत्र

योग दिवस की पूर्व संध्या पर श्री अतुल प्रकाश, प्रधान निदेशक, क्षे.प्र.सं, कोलकाता द्वारा ध्यान पर दो सत्रों का आयोजन किया गया। सभी प्रतिभागियों ने इस ध्यान सत्र के लाभकारी प्रभावों की सराहना की।

इसके अलावा, रेलवे में सीधे भर्ती हुए सहायक लेखापरीक्षा अधिकारियों (डीआरएओ) को उनके प्रारंभिक प्रशिक्षण के दूसरे चरण के दौरान वृत्तिक योग प्रशिक्षक के निर्देशन में नियमित ध्यान और योग सत्र दिया गया।

अप्रैल 2022 से सितंबर 2022 तक क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थान, कोलकाता द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम

निम्नलिखित "सामान्य प्रशिक्षण"- क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थान, कोलकाता द्वारा आयोजित किया गया

ज्ञान केंद्र गतिविधियाँ

पी.आर.आई. लेखापरीक्षा (पंचायती राज) पर दिनांक 23/05/2022 से 27/05/2022 तक आयोजित अखिल भारतीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

पी.आर.आई. लेखापरीक्षा (पंचायती राज) पर एक अखिल भारतीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 23/05/2022 से 27/05/2022 तक आयोजित किया गया था और उसमे विभिन्न लेखापरीक्षा कार्यालयों से पूरे भारत के 18 प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रशिक्षण का उद्घाटन क्षे.प्र.सं, कोलकाता के प्रधान निदेशक श्री अतुल प्रकाश द्वारा किया गया। उद्घाटन सत्र और पहले दो दिनों के सत्र श्री शिवशंकर बनिक, मुख्य नगरपालिका वित्त और लेखापरीक्षा अधिकारी (Chief Municipal Finance & Audit Officer), पश्चिम बंगाल सरकार, द्वारा लिए गए, जिसमें जिला परिषद (ZP), पंचायत समिति (PS) और ग्राम पंचायत (GP) के गठन पर चर्चा हुई और उन पर लेखापरीक्षा बिंदु और केंद्रीय योजनाओं और सामाजिक अंकेक्षण पर विस्तृत चर्चा की गई। इस वर्ष कर्नाटक, केरल, मध्य प्रदेश और पश्चिम बंगाल राज्य से संबंधित पंचायती राज संस्थाओं की योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। इसके अलावा श्री तेग सिंह, आई.ए.एंड.ए.एस. (IA&AS) कार्यालय महालेखाकार (लेखापरीक्षा-I) राजस्थान, जयपुर के वरिष्ठ उप महालेखाकार द्वारा पंचायती राज संस्थाओं के जिला केंद्रित लेखापरीक्षा (District Centric Audit) पर एक ऑनलाइन सत्र आयोजित किया।

गंगा नदी के प्रदूषण से ग्रामीण लोगों के जीवन और जैव विविधता के सभी पहलुओं पर प्रभाव को दिखाने के लिए प्रतिभागियों के साथ गंगा नदी के किनारे एक क्षेत्र यात्रा (Field Trip) की गई।

कार्यक्रम बहुत सफल रहा और सभी प्रतिभागियों ने क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थान, कोलकाता से अनुरोध किया कि भविष्य में ऐसे और कार्यक्रम आयोजित किए जाए।

प्रधान निदेशक, श्री अतुल प्रकाश और क्षे.प्र.सं, कोलकाता के अधिकारियों के साथ पीआरआई (पंचायती राज) की लेखापरीक्षा पर अखिल भारतीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रतिभागियों

संरचित प्रशिक्षण मॉड्यूल (Structured Trainining Module-STM)

क्षे.प्र.सं, कोलकाता द्वारा तैयार 'पीआरआई की वित्तीय लेखापरीक्षा' पर एसटीएम की मुख्यालय कार्यालय द्वारा "सहकर्मी समीक्षा" (**Peer Review**) किया गया है और मुख्यालय द्वारा गठित एक समिति द्वारा कार्य की समीक्षा की जा रही है। 'पंचायती राज संस्थाओं के विधायी ढाँचे और लेखा ढाँचे' पर एक अन्य एसटीएम (STM on Legislative Framework and Accounting Framework of PRIs) का अद्यतीकरण पूरा कर लिया गया है।

06/06/2022 और 20/08/2022 के बीच आयोजित डीआरएओ इंडक्शन ट्रेनिंग (चरण I का भाग II)

प्रशिक्षण का उद्देश्य एक पेशेवर, निष्पक्ष और कुशल अधिकारी का विकास करना है जो विभाग की व्यक्तिगत नौकरी प्रोफ़ाइल के अनुसार उत्तरदायी और काम करने के लिए प्रतिबद्ध हो।

प्रशिक्षु डीआरएएओ (रेलवे) (DRAAO, Railway) ने सुश्री प्रियंका वर्धन, अध्यक्ष (Chairperson), रेलवे भर्ती सेल (पूर्वी रेलवे), श्री शिबानंद मिश्रा, उप सीईएसई (दक्षिण पूर्व रेलवे), श्री अनिल कुमार गुप्ता, प्रिंसिपल, इलेक्ट्रिक लोको ट्रेनिंग सेंटर, टाटानगर (दक्षिण पूर्व रेलवे), श्री फरीद मोहम्मद, मुख्य सिग्नल इंजीनियर (दक्षिण पूर्व रेलवे), श्री मणिलाल साह, मुख्य संचार इंजीनियर (दक्षिण पूर्व रेलवे) और सुश्री परमा बरई, एसोसिएट प्रोफेसर, आई.आई.टी., खड़गपुर जैसे प्रतिष्ठित संकायों द्वारा प्रशिक्षण प्राप्त किया था।

इसके अलावा, रेलवे के सीधे भर्ती हुए सहायक लेखापरीक्षा अधिकारियों (डीआरएएओ) को उनके प्रारंभिक प्रशिक्षण के दूसरे चरण के दौरान पेशेवर योग प्रशिक्षक के निर्देशन में नियमित ध्यान और योग सत्र दिया गया, जिसे प्रतिभागियों ने बहुत पसंद किया।

9 जून 2022 को क्षे.प्र.सं, कोलकाता में डीएआई (रेलवे) का दौरा

भारत के उप नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक (रेलवे), श्री सुनील श्रीकृष्ण दाधे ने क्षे.प्र.सं, कोलकाता का दौरा किया और प्रशिक्षु डीआरएएओ (रेलवे) (DRAAO, Railway) से मुलाकात की। श्री सुनील.एस. दाधे ने रेलवे ऑडिट के वर्तमान परिदृश्य और भविष्य के पहलुओं पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए अपने भाषण की शुरुआत की। प्रतिभागियों को रेलवे लेखापरीक्षा के बारे में विभिन्न सवालों पर बातचीत कर और चर्चा से बेहद फायदा हुआ, जो उन्हें श्री दाधे द्वारा समझाए गए थे।

भारत के उप नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक (रेलवे), श्री सुनील श्रीकृष्ण दाधे (मध्य) सुश्री रीना साहा, प्रधान महालेखाकार (लेखापरीक्षा-II) (बाएं), पश्चिम बंगाल और श्री अतुल प्रकाश, प्रधान निदेशक (दाएं), क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थान, कोलकाता

भारत के उप नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक (रेलवे), श्री सुनील श्रीकृष्ण दाधे, सुश्री रीना साहा, प्रधान महालेखाकार (ऑडिट-II), पश्चिम बंगाल और श्री अतुल प्रकाश, प्रधान निदेशक, क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थान, कोलकात के साथ प्रशिक्षु डीआरएएओ (रेलवे) (DRAAOs, Railways)

डीआरएएओ (DRAAOs) के प्रतिभागियों के लिए भारतीय संग्रहालय (Indian Museum) का फील्ड ट्रिप (Field Trip)

18.06.2022 को नवनियुक्त डीआरएएओ (DRAAOs) के लिए उनके प्रशिक्षण के एक भाग के रूप में इंडियन म्यूज़ियम में एक डे आउट का आयोजन किया गया।

1814 में एशियाटिक सोसाइटी ऑफ बंगाल (Asiatic Society of Bengal) के करीब में स्थापित, भारतीय संग्रहालय भारतीय उपमहाद्वीप (sub-continent) में सबसे

पुराना और सबसे बड़ा बहुउद्देशीय (multi-purpose) संग्रहालय है। प्रतिभागियों को देशों की महान संस्कृति और इतिहास के साथ दिन बिताने का अवसर मिला। प्रतिभागियों ने भरहुत गैलरी, सिक्का गैलरी, गांधार गैलरी आदि में गहरी रुचि दिखाई। इसके अलावा 1924 में रेलवे लाइन के निर्माण के दौरान आसनसोल से 250 मिलियन वर्ष पुराने जीवाश्म पेड़ के तने को देखकर प्रतिभागियों को आश्चर्य हुआ।

भारतीय संग्रहालय के फील्ड ट्रिप

मध्य कैरियर प्रशिक्षण कार्यक्रम स्तर 2 का प्रशिक्षण पहले और दूसरे बैच के लिए 06/06/2022 से 13/06/2022 और 20/06/2022 से 25/06/2022 के बीच आयोजित किया गया था

मिड-कैरियर प्रशिक्षण कार्यक्रम स्तर 2 का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि अधिकारियों के पास उन्हें सौंपे गए कार्यों को प्रभावी ढंग से करने के लिए आवश्यक ज्ञान, कौशल और दृष्टिकोण हो।

मध्य कैरियर प्रशिक्षण कार्यक्रम (स्तर 2) के वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए पहला बैच 06.06.2022 से 13.06.2022 तक आयोजित किया गया था, जहां भारतीय समाज कल्याण और व्यवसाय प्रबंधन संस्थान के संकाय सदस्यों ने सॉफ्ट स्किल्स पर व्याख्यान दिया। 'वित्तीय बाजार और पूंजी बाजार' पर सत्र श्री शिवब्रत पाल, उप महाप्रबंधक, भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा लिया गया था। सत्र की प्रतिभागियों ने खूब सराहना की। साथ ही, सतत विकास लक्ष्यों

पर सत्र प्रधान निदेशक, क्षे.प्र.सं, कोलकाता द्वारा लिया गया, जिसकी प्रतिभागियों ने बहुत सराहना की। श्री आर. श्याम, उप निदेशक, डीजीए (केंद्रीय) (DGA, Central) के कार्यालय ने आईटी से संबंधित विषयों पर व्याख्यान दिया।

मिड करियर ट्रेनिंग प्रोग्राम (लेवल 2) के प्रतिभागियों के लिए 10.06.2022 को आचार्य जगदीश चंद्र बोस भारतीय वनस्पति उद्यान की एक फील्ड ट्रिप का आयोजन किया गया। श्री अतुल प्रकाश, प्रधान निदेशक, क्षे.प्र.सं. कोलकाता फील्ड ट्रिप के साथ थे। श्री मनोज हेम्ब्रम, वरिष्ठ वैज्ञानिक, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण ने प्रतिभागियों को वनस्पति उद्यान के इतिहास और कवरेज (coverage) के बारे में बताया। इसके अलावा, उन्होंने वनस्पति उद्यान में वनस्पतियों की विभिन्न प्रजातियों और पर्यावरण पर इसके प्रभाव के बारे में भी बताया। बगीचे का सबसे बड़ा आकर्षण विशाल बरगद का पेड़ (Banyan Tree) था जो 250 साल से अधिक पुराना है और दुनिया में सबसे बड़ा है।

मध्य कैरियर प्रशिक्षण कार्यक्रम (स्तर 2) के प्रतिभागियों का आचार्य जगदीश चंद्र बोस भारतीय वनस्पति उद्यान का क्षेत्र भ्रमण

मिड-कैरियर प्रशिक्षण कार्यक्रम (स्तर 2) का दूसरा बैच 20.06.2022 से 25.06.2022 तक आयोजित किया गया था, जहां श्री अरिंदम घोष, प्रोफेसर और निदेशक, नेताजी सुभाष मुक्त विश्वविद्यालय ने प्रभावी संचार पर व्याख्यान दिया था। रंगीन खिड़की

फाउंडेशन की संस्थापक (Co-founder) और सीईओ (CEO) सुश्री संजीना गुप्ता ने 'लिंग संवेदीकरण' पर सत्र प्रदान किया, जो क्षमता निर्माण और जीवन कौशल विकास के लिए समर्पित संगठन है। 'वित्तीय बाजार और पूंजी बाजार'; सार्वजनिक वित्त' पर सत्र श्री मृणाल चावला, आई.ए. एवं ए.एस .द्वारा लिया गया था। सतत विकास लक्ष्यों पर सत्र सुश्री अपरूपा दत्ता, परियोजना और हितधारक प्रबंधक, वाई-ईस्ट (Y-East) द्वारा लिया गया। वाई-ईस्ट एक एग्रीगेटिंग प्लेटफॉर्म (Aggregrating Platform) है जो भारत में सामाजिक और पर्यावरणीय स्थिरता के लिए संसाधनों से लेकर जरूरतों के मिलान पर केंद्रित है।

मिड-करियर ट्रेनिंग प्रोग्राम (लेवल 2) के प्रतिभागियों के लिए 22.06.2022 को ईस्ट कोलकाता वेटलैंडस (East Kolkata Wetlands) की फील्ड ट्रिप का आयोजन किया गया।

पूर्वी कोलकाता वेटलैंड जो एक रामसर साइट (RAMSAR Site) है, दुनिया की सबसे बड़ी अपशिष्ट जल (Waste Water) आधारित एक्वा कल्चर प्रणाली (Aqua Culture) का पोषण करती है। प्रतिभागियों ने इस बात का प्रत्यक्ष अवलोकन किया कि आर्द्रभूमि (Wetland) में भेजे जाने वाले सीवरेज (Sewerage) को प्राकृतिक तरीके से कैसे सौर शुद्धिकरण (Solar Purification) किया जाता है। इसके बाद प्राकृतिक ऑक्सीकरण (Natural Oxidation) किया गया जिसके द्वारा पानी शैवाल और प्लवक (Algae and Plankton) के विकास के लिए अनुकूल हो गया, जिस पर मछलियाँ भोजन करती हैं।

क्षे.प्र.सं., कोलकाता इस क्षेत्र यात्रा के आयोजन के लिए पर्यावरण विभाग, पश्चिम बंगाल सरकार और पश्चिम बंगाल वन विभाग द्वारा विस्तारित सहयोग हेतु आभार व्यक्त करती है।

मिड-कैरियर प्रशिक्षण कार्यक्रम (स्तर 2) के प्रतिभागियों के लिए पूर्वी कोलकाता आर्द्रभूमि (East Kolkata Wetlands) का फील्ड ट्रिप (Field Trip)

दिनांक 17/05/2022 से 21/05/2022 तक आयोजित पर्यावरण लेखापरीक्षा पर प्रशिक्षण

पर्यावरण लेखापरीक्षा पर प्रशिक्षण वन विभाग के सहयोग से आयोजित किया गया जहां आई.एफ.एस. अधिकारी और वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी व्याख्यान देने आए और प्रतिभागियों के साथ अपने बहुमूल्य अनुभव साझा किया। 'नीली अर्थव्यवस्था' (Blue Economy) विषय पर विभिन्न सत्र आयोजित किए गए जिसमें इसके दायरे में तटीय क्षेत्रों और आर्द्रभूमि का प्रबंधन शामिल है। कार्यक्रम की मुख्य विशेषताएं इस प्रकार हैं:

तटीय क्षेत्र विनियमन और इसकी चुनौतियां:

- एकीकृत तटीय क्षेत्र प्रबंधन (Integrated Coastal Zone Management) परियोजना का उद्देश्य देश में व्यापक तटीय प्रबंधन दृष्टिकोण के कार्यान्वयन के लिए राष्ट्रीय क्षमता निर्माण में भारत सरकार (GoI) की सहायता करना और गुजरात, उड़ीसा और पश्चिम बंगाल राज्यों में एकीकृत तटीय क्षेत्र प्रबंधन दृष्टिकोण का संचालन करना। इस सत्र का संचालन सुश्री तृप्ति साह, आई.एफ.एस. द्वारा किया गया था। वह एकीकृत तटीय क्षेत्र प्रबंधन परियोजना की अतिरिक्त परियोजना निदेशक हैं। उन्होंने पश्चिम बंगाल के लिए तटीय क्षेत्र प्रबंधन योजना (Coastal Zone

Management Plan) और तटीय विनियमन क्षेत्र (Coastal Regulation Zone) आवश्यकता, सी.आर.जेड. (CRZ) के प्रकार, सी.आर.जेड. अधिसूचना (CRZ Regulation) की घोषणा, पश्चिम बंगाल में सीआरजेड का क्षेत्र, इन क्षेत्रों में अनुमेय गतिविधियां, पश्चिम बंगाल में सीआरजेड में कटाव का क्षेत्र और चुनौतियों का सामना करना पड़ा आदि पर अपना व्याख्यान दिया।

ईस्ट कोलकाता वेटलैंड्स मैनेजमेंट अथॉरिटी - एक मामले का अध्ययन: सत्र का संचालन श्री के. बालमुरुगन, आई.एफ.एस., मुख्य पर्यावरण अधिकारी, पर्यावरण विभाग, पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा किया गया। उन्होंने ईस्ट कोलकाता वेटलैंड्स के संरक्षण के लिए ईस्ट कोलकाता वेटलैंड मैनेजमेंट अथॉरिटी की चुनौतियों और प्रयासों पर चर्चा की। ईस्ट कोलकाता वेटलैंड्स की एकीकृत प्रबंधन योजना और समुदाय संचालित संरक्षण पहलों पर भी प्रकाश डाला गया।

सुंदरबन-- एक मामले का अध्ययन - एक मामले का अध्ययन::- इस सत्र का संचालन श्री तापस दास, आई.एफ.एस., मुख्य वन संरक्षक, वन विभाग, पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा किया गया। सुंदरबन, दुनिया का सबसे बड़ा मैंग्रोव डेल्टा, पश्चिम बंगाल और बांग्लादेश को प्राकृतिक आपदाओं से बचाता है. यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल है (World Heritage Site) और यह एकमात्र स्थान है जहाँ बाघ, मैंग्रोव पारिस्थितिकी तंत्र में रहते हैं। श्री तापस दास ने सुंदरबन पारिस्थितिकी तंत्र और आजीविका विकास कार्यों, सामुदायिक भागीदारी, सरकार के सुंदरबन के शहद इकट्ठा करने वालों के जोखिम, अनुष्ठान और उत्तरजीविता पर विशेष जोर देने वाली पहल पर चर्चा की ।

जैव विविधता एवं वन्यजीव मुद्दे:- सत्र का संचालन श्री साकेत बडोला, आई.एफ.एस., उप वन संरक्षक, मसूरी वन प्रमंडल, पर्यावरण विभाग द्वारा किया गया।

वेटलैंड प्रबंधन के मुद्दे पूर्वी कोलकाता वेटलैंड प्रबंधन वेटलैंड और जैव विविधता के मुद्दे 20/05/22 को: - "वेटलैंड और जैव विविधता के मुद्दे" पर एक सत्र सुश्री तियासा आद्या द्वारा लिया गया, जो 12 वर्षों से इस क्षेत्र में एक शोधकर्ता और संरक्षणवादी हैं। सुश्री आद्या यूनिवर्सिटी ऑफ ट्रांस डिसिप्लिनरी हैल्थ साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी, बैंगलोर में

शोधकर्ता हैं और गैर-लाभकारी, ह्यूमन एंड एनवायरनमेंट एलायंस लीग (Human and Environment Alliance League-HEAL) की संयुक्त सचिव हैं। वह प्रकृति और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के लिए अंतर्राष्ट्रीय संघ (IUCN) में प्रजाति उत्तरजीविता आयोग की सदस्य भी हैं। एक अद्वितीय वेटलैंड कैट, द फिशिंग कैट पर उनके काम को राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता मिली, जहां उन्हें 2016 में भारत में महिलाओं के लिए सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार, नारी शक्ति पुरस्कार मिला। वर्ष 2022 में, फ्यूचर फॉर नेचर फाउंडेशन, नीदरलैंड्स से फिशिंग कैट अनुसंधान और संरक्षण के लिए वैश्विक पुरस्कार जीता। ।

सतत विकास लक्ष्यों (Sustainable Development Goals) का ऑडिट:- सत्र का संचालन श्री अतुल प्रकाश, प्रधान निदेशक, क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थान., कोलकाता ने किया। इस सत्र में 17 सतत विकास लक्ष्यों (SDGs) और इन लक्ष्यों के कार्यान्वयन और उपलब्धि पर लेखापरीक्षा के दायरे पर मामला अध्ययन (Case Study) के साथ चर्चा की गई।

उच्चतम स्तर की संतुष्टि के साथ प्रतिभागियों द्वारा प्रशिक्षण की अत्यधिक सराहना की गई। प्रशिक्षण बहुत व्यापक और सूचनात्मक था। वेटलैंडस (Wetlands) और सी.आर.जेड. (CRZ) मुद्दे का विषय सबसे ज्यादा पसंद किया जाने वाला सत्र था। वेट लैंड मैनेजमेंट, ईस्ट कोलकाता, वेटलैंडस मैनेजमेंट का संरक्षण और सुंदरबन जैसे विषयों को सर्वश्रेष्ठ माना गया।

27/06/2022 से 29/06/2022 तक आयोजित रिस्क बेस्ड ऑडिट एंड स्टैटिस्टिकल सैंपलिंग (Riask Based Audit & Statistical Sampling) पर प्रशिक्षण

27.06.2022 से 29.06.2022 तक रिस्क बेस्ड ऑडिट एंड स्टैटिस्टिकल सैंपलिंग के प्रशिक्षण हेतु, भारतीय सांख्यिकी संस्थान (Indian Statistical Institute, Kolkata) के वरिष्ठ प्रोफेसरों जैसे सुश्री मौसमी बोस और श्री अनूप दीवानजी को सांख्यिकी और सांख्यिकी प्रक्रियाओं के परिचय पर व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया था। प्रतिभागियों द्वारा सत्रों की अत्यधिक सराहना की गई।

अप्रैल से जून 2022 तक आयोजित सामान्य प्रशिक्षण पाठ्यक्रम:

इसके अलावा सीओटीपी 2022-23 के भाग के रूप में निम्नलिखित प्रशिक्षण कार्यक्रम भी वित्तीय वर्ष 2022-23 की पहली तिमाही के दौरान आयोजित किए गए थे

क्र सं	प्रशिक्षण का नाम	कब से	कब तक
1	डीआरएएओ पूर्व-एस.ए.एस. प्रशिक्षण (DRAAO Pre-SAS Training)	04-04-2022	13-05-2022
2	नोटिंग एवं ड्राफ्टिंग (Noting and Drafting)	06-04-2022	08-04-2022
3	निष्पादन लेखापरीक्षा (Performance Audit)	18-04-2022	22-04-2022
4	प्री एस.ए.एस. ग्रुप-I (Pre SAS Group I)	25-04-2022	30-04-2022
5	वित्त और विनियोग खातों की तैयारी, सरकारी लेखा प्रणाली (जीएएसएबी) (Preparation of Finance and Appropriation Accounts, Government Accounting System(GASAB))	25-04-2022	27-04-2022
6	रोस्टर, डीपीसी, पदोन्नति और अनुशासनात्मक कार्यवाही सहित स्थापना मामले (Establishment Matters including Roster, DPC, Promotion and Disciplinary Proceedings)	13-06-2022	17-06-2022

अप्रैल से जून 2022 तक आयोजित किए गए सूचना प्रौद्योगिकी पाठ्यक्रम

क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थान, कोलकाता आई.टी. प्रशिक्षण कार्यक्रम में अत्याधुनिक अंतर्दृष्टि साझा करने का प्रयास करता है जिसमें वास्तविक दुनिया (Real World) डेटा विश्लेषण (Data Analysis) और लेखापरीक्षकों द्वारा सामना की जाने वाली चुनौतियाँ भी शामिल हैं। पहली तिमाही में, उपयोगकर्ता कार्यालयों की प्रशिक्षण आवश्यकताओं के अनुसार ऑडिट में लागू विशिष्ट आईटी अनुप्रयोगों को आई.डी.ई.आ (IDEA) डेटा एनालिटिक्स (Data Analytics), आईटी ऑडिट आदि (IT Audit) जैसे पाठ्यक्रमों में जोड़ा गया था।

आईटी विंग ने अप्रैल 2022 से जून 2022 के दौरान निम्नलिखित 6 (छह) ईडीपी (EDP) प्रशिक्षण का आयोजन किया:

क्र सं	कोर्स का नाम	की तिथि से	तारीख तक
1	आईटी एनवायरनमेंट में लेखापरीक्षा (Audit in IT Environment)	18.04.2022	22.04.2022
2	रिच टेक्स्ट फॉर्मेट के साथ काम करना (Working with Rich Text Format)	25.04.2022	25.04.2022
3	ई-गवर्नेंस, पीएफएमएस और आईबीईएमएस (e-Governance, PFMS & iBEMS)	09.05.2022	13.05.2022
4	डेटा विश्लेषण (Data Analytics)	06.06.2022	10.06.2022
5	आई.डी.ई.आ. (IDEA)	13.06.2022	17.06.2022
6	आईटी ऑडिट (IT Audit)	20.06.2022	24.06.2022

वास्तविक जीवन में ऑडिट को संभालने के लिए प्रतिभागियों के लिए तथा प्रशिक्षण को और अधिक रोचक बनाने के लिए, हमारे प्रधान निदेशक ने पाठ्यक्रम सामग्री का पुनर्मूल्यांकन किया था और ई.डी.पी. प्रशिक्षणों में वर्तमान आईटी ऑडिट से संबंधित विषयों पर चर्चा के लिए विशेष सत्र शामिल किए थे। तदनुसार, इस कार्यालय ने लेखापरीक्षा में डेटा निष्कर्षण, विश्लेषण और उपयोग(data extraction, analysis and use) पर अपने हाल के अनुभव को साझा (share) करने के लिए उपयोगकर्ता कार्यालयों (user offices) और नियोजित संकायों के साथ परामर्श किया था जो वर्तमान में आईटी अनुभागों में काम कर रहे हैं। क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थान, कोलकाता ने अप्रैल-2022 से ई-ऑफिस लागू किया।

जुलाई 2022 से सितंबर 2022 की तिमाही के दौरान गतिविधियां

ज्ञान केंद्र गतिविधियाँ

एक **एसटीएम** जो की "पंचायती राज संस्थानों का विधायी ढांचा और लेखा ढाँचा" पर आधारित थी, उसका अद्यतन कर प्रशिक्षण अनुभाग, मुख्यालय कार्यालय को भेजा गया है।

क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थान, कोलकाता और आई.सी.एम.ए.आई. (ICMAI) मैनेजमेंट अकाउंटिंग रिसर्च फाउंडेशन (MARF) के बीच समझौता ज्ञापन (Memorandum of Understanding-MoU)

14 जुलाई, 2022 को क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थान, कोलकाता और आई.सी.एम.ए.आई. (**ICMAI**) मैनेजमेंट अकाउंटिंग रिसर्च फाउंडेशन (MARF) के बीच क्षे.प्र.सं, कोलकाता में एक समझौता ज्ञापन (Memorandum of Understanding-MoU) किया गया। सी.एम.ए. पी. राजू अय्यर, अध्यक्ष ने आई.सी.एम.ए.आई. (ICMAI) मैनेजमेंट अकाउंटिंग रिसर्च फाउंडेशन (MARF) की ओर से समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए और प्रधान निदेशक, श्री अतुल प्रकाश ने क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थान, कोलकाता की ओर से समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

आईसीएमएआई (ICMAI) मैनेजमेंट अकाउंटिंग रिसर्च फाउंडेशन (MARF)की ओर से सीएमए पी. राजू अय्यर, अध्यक्ष और श्री अतुल प्रकाश, प्रधान निदेशक, क्षे.प्र.सं., कोलकाता के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर समारोह

क्षे.प्र.सं.,कोलकाता और आई.सी.एम.ए.आई (ICMAI) मैनेजमेंट अकाउंटेंट्स रिसर्च फाउंडेशन (MARF) अब आगे से इन निम्नलिखित क्षेत्रों पर संयुक्त रूप से काम करेंगे:

- पाठ्यक्रम डिजाइन में एक दूसरे को सुविधा प्रदान करना और सेमिनारों के लिए विशेषज्ञ प्रदान करना; कार्यशालाएं और अन्य सहायता।
- अनुप्रयोग-उन्मुख अनुसंधान अध्ययनों पर बल देते हुए संयुक्त अनुसंधान गतिविधियों का संचालन करना।
- पारस्परिक रूप से सहमत संकाय सदस्यों का आदान-प्रदान।
- पेशेवर विशेषज्ञता बढ़ाने के लिए लेखापरीक्षा संबंधी मुद्दों, प्रदर्शन मूल्यांकन और दक्षता अध्ययन पर सहयोगी विश्लेषणात्मक अध्ययन करना।
- मामला अध्ययन की तैयारी के लिए सहयोग।
- सार्वजनिक क्रय और कार्यों और परियोजनाओं की लागत में सुधार के लिए लागत विधियों और तकनीकों को लागू करना; सार्वजनिक खरीद का उचित मूल्य निर्धारित करना।
- सतत विकास और प्राकृतिक संसाधनों के कुशल उपयोग और पर्यावरणीय लागत/प्रबंधन लेखांकन का अध्ययन।
- क्षे.प्र.सं., कोलकाता और आईसीएमएआई (ICMAI) एमएआरएफ (MARF) के प्रशिक्षकों/संकाय सदस्यों का क्षमता विकास।

03/08/2022 से 05/08/2022 तक आयोजित रेलवे ऑडिट (इलेक्ट्रिकल और सिग्नलिंग) पर अखिल भारतीय कार्यक्रम

अखिल भारतीय कार्यक्रम का उद्घाटन क्षे.प्र.सं., कोलकाता के प्रधान निदेशक (PD-In-Charge) श्री अनादि मिश्रा ने किया।

श्री अनादि मिश्रा, प्रधान निदेशक (PD In-Charge), क्षे.प्र.सं., कोलकाता के साथ रेलवे ऑडिट (विद्युत और सिग्नलिंग) पर प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रतिभागियों की समूह तस्वीर

प्रथम दिवस सत्र 1 व 2 श्री मास्टर मुकेश, उप मुख्य विद्युत अभियंता (Deputy Chief Electrical Engineer) द्वारा लिया गया। चर्चा का विषय विद्युत लोकोमोटिव और डीजल लोकोमोटिव (Electric Locomotives & Diesel Locomotives), सामान्य विद्युत सेवाओं सहित सभी विद्युत संपत्तियों की योजना, संचालन और रखरखाव के संबंध में विद्युत विभाग की भूमिका थी, विभिन्न रखरखाव डिपो और कार्यशाला में सभी विद्युत संपत्तियों के नामित रखरखाव कार्यक्रम थे।

श्री सुनील कुमार सिंह, ए.ई.ई.ई. (AEEE) ने विद्युत कर्षण वितरण प्रणाली पे चर्चा किया। रेलवे ऊर्जा बचत योजना के तहत रेल्वे के स्वामित्व वाले विद्युत प्रतिष्ठानों और उपकरणों के संबंध में कार्यों की समीक्षा चर्चा का विषय था।

श्री प्रदीप कुमार शर्मा, उप सी.एस.टी.ई (Dy. CSTE) का चर्चा का विषय सुरक्षित और विश्वसनीय ट्रेन संचालन में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (S&T Department)की भूमिका थी। इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग सिस्टम (Electronic Interlocking System, स्वचालित सिग्नलिंग (Automatic Signalling), डेटा लॉगर (Data Logger) आदि, कवच सुरक्षा प्रणाली (KAVACH Protection System), ट्रेन चेतावनी और सुरक्षा प्रणाली (Train Warning and Protection System), विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग का सुरक्षित और विश्वसनीय ट्रेन संचालन की भूमिका आदि का उपयोग करके लाइन क्षमता का इष्टतम उपयोग।

श्री केशप्पा एन नेगलूर, उप सी.एस.टी.ई (Dy.CSTE) का चर्चा का विषय था- भारतीय रेलवे द्वारा उपयोग की जाने वाली नवीनतम दूरसंचार प्रणालियों (Telecommunication Systems) की मुख्य विशेषता एवं रेलवे सूचना नेटवर्क का प्रबंधन (RAILNET)।

श्री सुभाशीष बनर्जी, सहायक लेखा परीक्षा अधिकारी, डीजीए, पूर्वी रेलवे (DGA, Eastern Railway ने विद्युत विभाग एवं एस एंड टी विभाग (S&T Department) से संबंधित ऑडिट मुद्दे के साथ-साथ मामला अध्ययन पे चर्चा किया।

01/08/2022 से 02/08/2022 तक आयोजित प्राकृतिक संसाधन लेखांकन पर प्रशिक्षण

01/08/2022 को, सभी चारों सत्र श्री सुदीप्त एन बिस्वास, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी, गसब (GASAB), मुख्यालय, द्वारा लिए गए। चर्चा का विषय था:

- गसब (GASAB) के एनआरए-प्रयास की अवधारणा:
- परिसंपत्ति खाते, संपत्ति खातों के लिए डेटा संग्रह और निरंतर रिपोर्टिंग के लिए दिशानिर्देश/एसओपी (Guidelines/SOPs).

02/08/2022 को, सत्र 1 और 2 को संयुक्त रूप से श्री सुदीप्त एन बिस्वास, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी, गसब (GASAB),

मुख्यालय और श्री देबतोष प्रमाणिक, वरिष्ठ लेखा अधिकारी, कार्यालय प्रधान महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी), पश्चिम बंगाल द्वारा संयुक्त रूप से लिया गया था। चर्चा का विषय पश्चिम बंगाल राज्य में संपत्ति खातों की तैयारी पर केस स्टडी - मुद्दे और चुनौतियां थी।

02/08/2022 को, सत्र 3 और 4 को श्री सुदीप्त एन बिस्वास, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी और श्री सुप्रिया खान, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी, कार्यालय प्रधान महालेखाकार (लेखापरीक्षा-II), पश्चिम बंगाल द्वारा संयुक्त रूप से लिया गया था। चर्चा का विषय लेखापरीक्षा कार्यालय द्वारा परिसंपत्ति खातों के सत्यापन पर था। यह प्रशिक्षण प्रतिभागियों के लिए एक बिल्कुल नया अनुभव था।

22/08/2022 और 27/08/2022 के बीच आयोजित मध्य कैरियर प्रशिक्षण कार्यक्रम स्तर 2

एक पेशेवर, निष्पक्ष और कुशल अधिकारी विकसित करने के लिए जो आई.ए. एवं ए.डी. की वर्तमान जरूरतों के प्रति उत्तरदायी हों, क्षे.प्र.सं., कोलकाता ने विभिन्न कार्यालयों के 23 प्रतिभागियों के साथ 22.08.2022 से 27.08.2022 तक मिड-कैरियर प्रशिक्षण कार्यक्रम के चौथे बैच की व्यवस्था की। प्रशिक्षण की शुरुआत में क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थान, कोलकाता के कोर फैकल्टी श्री उत्तम दास, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी ने हमारे मूल्यों और सामुदायिक मूल्यों (Our Values and Community Values) पर चर्चा की। विशिष्ट सेवा पदक प्राप्तकर्ता कर्नल प्रबीर सेनगुप्ता ने आंतरिक और बाहरी हितधारकों के साथ प्रभावी संचार (Effective communication with internal and external stakeholders), मौखिक और गैर-मौखिक संचार (Verbal and Non-verbal communication), सामाजिक कौशल और शिष्टाचार (social skills and etiquette) और प्रेरणा (motivation) पर सत्र लीं।

आई.सी.एफ.ए.आई. (ICFAI) विश्वविद्यालय के पूर्व फैसिलिटेटर (Facilitator) श्री राजर्षि मुखर्जी ने समूह की गतिशीलता, समूह संघर्ष और इसके

समाधान पर अपना व्याख्यान दिया। वित्तीय बाजार और पूंजी बाजार और सार्वजनिक वित्त के सिद्धांत विषय पर आई.सी.ए.आई. (ICAI) के चैटर्ड अकाउंटेंट (CA) श्री अरिजीत चक्रवर्ती ने अपना व्याख्यान दिया। सूचना प्रौद्योगिकी का अवलोकन करने के बाद एन.आई.सी. (NIC) के वैज्ञानिक-डी श्री अविक रे ने आईटी पर्यावरण में जोखिमों (Risk) का वर्णन किया और साइबर सुरक्षा (Cyber Security) और आईटी अधिनियम 2008 के बारे में जानकारी दी। श्री पवन कुमार कोंडा, वरिष्ठ उप महालेखाकार, कार्यालय महालेखाकार (ऑडिट- II) पश्चिम बंगाल, ने व्यक्तिगत नैतिकता और व्यावसायिक नैतिकता पर सत्र ली। सुश्री संजना सेनगुप्ता, एक एनजीओ रंगीन खिड़की फाउंडेशन की संस्थापक (Co-Founder) और सीईओ (CEO) ने प्रतिभागियों को जेंडर सेंसिटाइजेशन (Gender Sensitisation), कॉन्सेप्ट्स ऑफ जेंडर (Concepts of Gender), स्टीरियोटाइपिंग और इसके प्रभाव (Stereotyping and its impact) के बारे में जानकारी दी। वाई-ईस्ट की सह-संस्थापक और एच.ई.सी. पैरिस बिजनेस स्कूल (HEC Paris Business School) से सस्टेनेबिलिटी और सोशल इनोवेशन (Sustainability and Social Innovation) में मास्टर्स प्राप्त, सुश्री पौलिन लेरावोइर ने पर्यावरण और सतत विकास की बुनियादी बातों पर अपना बहुमूल्य व्याख्यान दिया। क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थान, कोलकाता के प्रधान निदेशक ने एस.डी.जी. (SDG) पर ऑडिटिंग पर अपने अनमोल ज्ञान को साझा किया और अपने जमीनी स्तर (ground level) के काम से अपने अनुभव साझा किए। सभी सत्र प्रतिभागियों के लिए बहुत ही संवादात्मक और प्रेरक थे।

प्रतिभागियों द्वारा बाली जूट मिल में फील्ड विजिट

जूट के प्रसंस्करण और जूट-उत्पादों की तैयारी को प्रदर्शित करने के लिए प्रतिभागियों को बाली जूट मिल, बाली, हावड़ा के आधे दिन के दौरे पर ले जाया गया। मिल प्रबंधन के साथ वृद्धि, विकास, समस्या, सामाजिक-आर्थिक प्रभाव, विभिन्न सरकारी पहल और जूट उद्योगों के भविष्य पर चर्चा की गई। सभी प्रतिभागियों ने यात्रा का लुत्फ उठाया।

कुछ प्रतिभागियों से प्रशिक्षण कार्यक्रम पर प्रतिक्रिया नीचे दी गई है:

पाठ्यक्रम संरचना लेखापरीक्षा करने के दौरान किसी के व्यवहार से संबंधित बुनियादी अवधारणा (basic concept) और सूक्ष्म बारीकियों (subtle nuances) पर प्रकाश डालती है, जिसे प्रेरक वर्गों, लिंग संवेदीकरण वर्गों और सतत विकास, क्षेत्र और सक्षमकर्ताओं के बारे में समग्र जानकारी से आत्मसात करने की आवश्यकता होती है। समर्थ होने के नाते एक लेखा परीक्षक के रूप में समग्र रूप से समाज और राष्ट्र के लिए मेरा क्या योगदान होगा, इसने मुझे सबसे अधिक आकर्षित किया।

पाठ्यक्रम बहुत दिलचस्प था क्योंकि इसमें ऑडिटर के पेशेवर पहलुओं जैसे नैतिकता, मूल्यों और काम करने की प्रेरणा के साथ-साथ एसडीजी (SDG) ऑडिट के क्षेत्र शामिल थे जिन्हें संबोधित करने की आवश्यकता है। आईटी सुरक्षा के बारे में भी ज्ञान प्राप्त किया जो कि मेरा कार्य क्षेत्र नहीं था। कार्यस्थलों पर महिला उत्पीड़न कानूनों से भी अवगत हुए।

मध्य कैरियर प्रशिक्षण कार्यक्रम स्तर 3

क्षे.प्र.सं., कोलकाता 32 प्रतिभागियों के साथ 12.09.2022 से 17.09.2022 तक मिड-कैरियर स्तर-3 प्रशिक्षण कार्यक्रम के पहले बैच की व्यवस्था की।

सुश्री तरणजीत कौर चौहान, मुख्य अधिकारिता प्रशिक्षक (Chief Empowerment Coach), आई.सी.बी.आई. (ICBI), श्री राजर्षि मुखर्जी, आई.सी.एफ.ए.आई. (ICFAI) विश्वविद्यालय के पूर्व फैसिलिटेटर (Facilitator), श्री अरिजीत चक्रवर्ती, सीए (CA), श्री आशीष मुखर्जी, वरिष्ठ तकनीकी निदेशक/वैज्ञानिक, एनआईसी (NIC), सुश्री अपरूपा दत्ता, प्रोजेक्ट एंड स्टेकहोल्डर मैनेजर (Project & Stakeholder Manager), वाई-ईस्ट, सुश्री कंकना दास, एनालिस्ट लीगल इनिशिएटिव फ़ॉर फॉरेस्ट एंड एनवायरनमेंट (Analyst Legal Initiative for Forest and Environment), मलय डे, डिप्टी कमिश्नर ऑफ़ रेवेन्यू (Deputy Commissioner of Revenue), पश्चिम बंगाल सरकार, श्री पीके कपूर, सेवानिवृत्त वरिष्ठ उप महालेखाकार और श्री पवन कुमार कोंडा, वरिष्ठ उप महालेखाकार जैसे कुछ कुशल संकायों को प्रभावी संचार (Effective Communication), विश्लेषणात्मक सोच (Analytical Thinking), समय और तनाव

प्रबंधन (Time and Stress Management), टीम भावना की अवधारणा (Concept of Team Spirit), टीम निर्माण (Team Building) , टीम संघर्ष (Team Conflict), आंतरिक नियंत्रण (Internal controls), धोखाधड़ी और फोरेंसिक (Fraud & Forensics), ई-गवर्नेंस, भूमिका परिवर्तन (Managing Role Change) का प्रबंधन और अधिकारियों से अपेक्षाएं, एफ.आर.बी.एम. अधिनियम (FRBM Act) जैसे पाठ्यक्रम विषयों पर अपने व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया था और उन्होंने स्वयं के जमीनी स्तर के काम से जुड़े अनुभव को साझा किए। सभी सत्र प्रतिभागियों के लिए बहुत ही संवादात्मक और सूचनात्मक थे।

प्रतिभागियों को भारतीय रिजर्व बैंक के कार्यों और परिचालनों से परिचित कराने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक के आधे दिन के दौरे पर ले जाया गया था। भारतीय रिजर्व बैंक, कोलकाता ने उनके विभिन्न विभागों जैसे निर्गम विभाग (Issue Department), एकीकृत बैंकिंग विभाग (Integrated Banking Department), पर्यवेक्षण विभाग (Department of Supervision), बैंकिंग लोकपाल कार्यालय (Office of Banking Ombudsman), उपभोक्ता शिक्षा और संरक्षण कक्ष (Consumer Education and Protection Cell) की गतिविधियों और संचालन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। सभी सत्र बहुत ही जानकारीपूर्ण और इंटरैक्टिव थे। इस फील्ड ट्रिप में प्रतिभागियों ने आरबीआई (RBI) की सभी गतिविधियों की झलक देखी।

भारतीय रिजर्व बैंक के फील्ड दौरे पर प्रतिभागी

पाठ्यक्रम की संतुष्टि का स्तर 5 में 4.9 था

कुछ प्रतिभागियों की प्रशिक्षण कार्यक्रम पर प्रतिक्रिया नीचे दी गई है:

यह प्रशिक्षण मुझे विश्लेषणात्मक रूप से सोचने और समस्याओं को हल करने, जीवन में समय और तनाव से निपटने, ई-गवर्नेंस, वैश्विक पर्यावरण संकट, ग्लोबल वार्मिंग, विभिन्न प्रकार के प्रदूषण प्रबंधन, वन संरक्षण आदि के बारे में अधिक जानने में मदद करेगा। .

कोर्स छोटा था लेकिन अच्छी तरह से डिजाइन किया गया था। संकाय उनके दृष्टिकोण में इंटरैक्टिव थे। क्षे.प्र.सं., कोलकाता के अधिकारियों का व्यवहार सुलभ एवं उपकारी था।

ज्ञान के विभिन्न क्षेत्र जिन्हें मैं पहले नहीं जानता था, अब मुझे पता चला, मुख्य रूप से समय प्रबंधन (Time Management), तनाव प्रबंधन (Stress Management) आदि।

इंटरएक्टिव लर्निंग (interactive learning) में उम्मीदवारों की अधिक भागीदारी के लिए संकायों द्वारा कवर किए गए विषय और प्रोत्साहन।

जीआईएस के माध्यम से ऑडिटिंग

भौगोलिक सूचना प्रणाली (जीआईएस) (Geographic Information Systems) भूगोल के विज्ञान में सन्निहित है। पेड़ों, नदियों, सड़कों, खेती और कटाई के क्षेत्रों (cultivation and harvesting areas), संरक्षित क्षेत्रों आदि जैसे पृथ्वी की सतह के बारे में डेटा एकत्र करने और उसका विश्लेषण करने के लिए हमें जीआईएस (Geographic Information Systems) की मदद की आवश्यकता होती है। डेटा हमें पृथ्वी की सतह के टेबल, मानचित्र और 3डी मॉडल बनाने देता है। ऑडिटिंग में भी इसकी अपार संभावनाएं हैं। कार्यकारी एजेंसी/प्राधिकरण द्वारा दावा किए गए आदेशों और कार्य के निष्पादन के अनुपालन के निश्चित प्रमाण के रूप में तालिका, नक्शे, पृथ्वी की सतह के मॉडल का उपयोग किया जा सकता है। लेखापरीक्षा टिप्पणियों को ऐसे वैज्ञानिक चार्टों/नक्शों/मॉडलों के साथ बेहतर ढंग से समझा जा सकता है। जीआईएस का बुद्धिमानी से उपयोग करके मानवीय त्रुटि और डेटा संग्रह समय को कम किया जा सकता है। इसके अलावा, डेटा और विश्लेषण उपकरण लेखापरीक्षकों को लेखापरीक्षा की योजना बनाने और तैयार करने में मदद कर सकते हैं।

सुदूर संवेदन प्रौद्योगिकी, जीआईएस और इसके अनुप्रयोग की मूल बातें पर एक मौलिक ज्ञान और अवलोकन प्रदान करने के लिए क्षेत्रीय सुदूर संवेदन केंद्र-पूर्व, (Regional Remote Sensing Centre-East) एन.आर.एस.सी /इसरो (NRSC/ISRO), कोलकाता के सहयोग से क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थान, कोलकाता में "जीआईएस के माध्यम से लेखा परीक्षा" पर 19 से 23 सितंबर 2022 तक एक इसरो-आई.ए और ए.डी. (IA&AD) प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इस प्रकार का प्रशिक्षण प्रतिभागियों को इसरो के वैज्ञानिकों के जीआईएस के ज्ञान से परिचित कराने के लिए अपनी तरह का पहला प्रशिक्षण है । पीएजी (ऑडिट-I), ग्वालियर सहित आठ लेखापरीक्षा कार्यालयों के कुल 22 प्रतिभागियों ने इस पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।

प्रशिक्षण का उद्घाटन श्री अतुल प्रकाश, प्रधान निदेशक, क्षे.प्र.सं., कोलकाता और डॉ. एस.के. श्रीवास्तव, मुख्य महाप्रबंधक, क्षेत्रीय सुदूर संवेदन केंद्र-पूर्व, (Regional Remote Sensing Centre-East), एन.आर.एस.सी. (NRSC) द्वारा किया गया।

जी.आई.एस. द्वारा लेखापरीक्षा पर प्रशिक्षण कार्यकर्म का उदघाटन समारोह। प्रधान निदेशक, क्षे.प्र.सं., कोलकाता, श्री अतुल प्रकाश, डॉ. एस.के. श्रीवास्तव, मुख्य महाप्रबंधक, क्षेत्रीय सुदूर संवेदन केंद्र-पूर्व, एन.आर.एस.सी. को फूलदान भेंट करते हुए

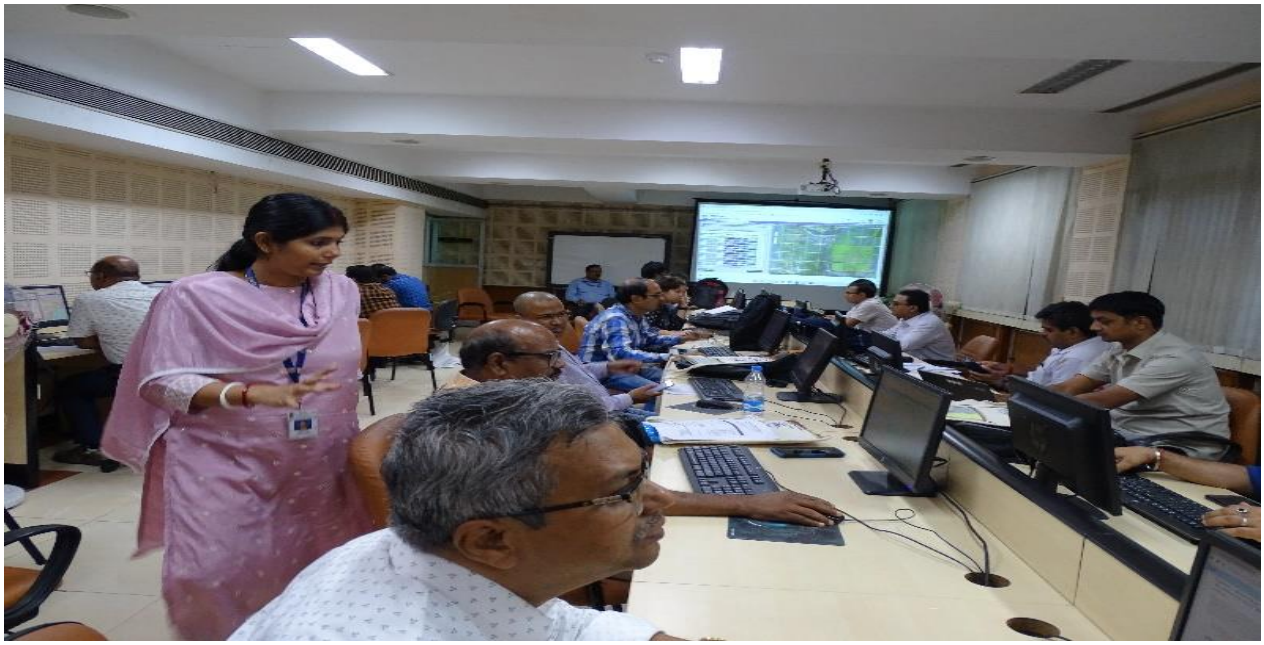

'जीआईएस के माध्यम से अंकेक्षण' के प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान व्यावहारिक प्रशिक्षण

(Hands-on-training)

प्रतिभागियों को सबसे पहले डॉ. (सुश्री) आरती पॉल द्वारा उपयोगकर्ता पंजीकरण प्रक्रिया और भुवन जियो-पोर्टल से उपग्रह डेटा डाउनलोड करने की प्रक्रिया पर

व्यावहारिक प्रशिक्षण के साथ भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम और इसरो जियोपोर्टल-भुवन और भूनिधि के अवलोकन के बारे में बताया गया। अगले दिन श्री सुपर्ण पाठक द्वारा रिमोट सेंसिंग और जीआईएस के मूल सिद्धांतों पर व्याख्यान दिया गया और डॉ. डी. चक्रवर्ती ने डिजिटल इमेज प्रोसेसिंग (Digital Image Processing) पर अपने विचार व्यक्त किए। डॉ. नीरज प्रियदर्शी ने जीआईएस के फंडामेंटल पर एक सत्र लिया और प्रतिभागियों को रेखापुंज (raster) और वेक्टर डेटा के साथ-साथ तालिकाओं और विशेषता निर्माण से परिचित कराया। तीसरे दिन डॉ. डी. चक्रवर्ती ने इमेज फीचर एक्सट्रैक्शन (Image Feature Extraction) पर अपना व्याख्यान दिया और श्री वाई. के. श्रीवास्तव ने मानचित्र प्रक्षेपण और ज्यामितीय सुधार (Map Projections and Geometric Corrections) पर एक सत्र लिया। डॉ. राजदीप रॉय ने प्रतिभागियों को ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम (Global Positioning System), एन.ए.वीआईसी (NavIC)और गगन (GAGAN) के बारे में जानकारी दी। बाद में हैंड-ऑन प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को जीआईएस परतों (GIS layers), जीआईएस प्रारूप इंटरचेंज (GIS format interchange), रेखापुंज (Raster) और वेक्टर डेटा के अंतर-रूपांतरण का उपयोग करके विश्लेषण करने पर प्रशिक्षित किया गया। चौथे दिन डॉ. (सुश्री) आरती पॉल ने प्रतिभागियों को इमेज इंटरप्रिटेशन में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (Artificial Intelligence) और मशीन लर्निंग (Machine Learning) की जानकारी दी। तब श्री वाई.के. श्रीवास्तव ने डिजिटल एलीवेशन मॉडल (Digital Elevation Model) और उसके अनुप्रयोग पर अपना व्याख्यान दिया। डॉ. नीरज प्रियदर्शी ने रिमोट सेंसिंग और जीआईएस का उपयोग करके जंगल की आग की निगरानी और परिवर्तन का पता लगाने की निकट-वास्तविक समय की निगरानी (Near-Real Time Monitoring) पर सत्र लिए। हैंड्स-ऑन प्रशिक्षण में प्रतिभागियों ने सीखा कि जीपीएस डेटा का उपयोग करके जीआईएस परत (GIS layers) कैसे उत्पन्न की जाती है, आरएस (RS) और जीआईएस (GIS) डेटा का एकीकरण और जीआईएस को दूसरे

प्रारूप में निर्यात करना। पांचवें दिन विभिन्न विशेषज्ञों द्वारा व्याख्यान की एक श्रृंखला दी गई। सबसे पहले डॉ. एसएनदास ने ई-गवर्नेंस की दिशा में भूमि सूचना प्रणाली (LIS) पर अपना व्याख्यान दिया और डॉ. अरिंदम गुहा ने प्रतिभागियों को खनिज अन्वेषण-रिमोट सेंसिंग और जीआईएस के अवलोकन और अनुप्रयोग के बारे में बताया। तीसरे सत्र में डॉ. (सुश्री) तनुमी कुमार ने रिमोट सेंसिंग और जीआईएस का उपयोग करके आपदा जोखिम मूल्यांकन (Disaster Risk Assessment) पर और श्री वाईके श्रीवास्तव ने रिमोट सेंसिंग और जीआईएस का उपयोग करके जल संसाधन मूल्यांकन और प्रबंधन (Water Resources Assessment and Management) पर अपना व्याख्यान दिया। डॉ. प्रबीर कुमार दास ने रिमोट सेंसिंग और जीआईएस के कृषि और बागवानी अनुप्रयोग पर व्याख्यान दिया, और डॉ. (सुश्री) आरती पॉल ने मोबाइल ऐप के माध्यम से संपत्ति मानचित्रण पर व्याख्यान दिया। अंतिम प्रशिक्षण सत्र में श्री सुपर्ण पाठक ने विकेंद्रीकरण योजना (Space Based Information Support for Decentralize Planning) के लिए अंतरिक्ष आधारित सूचना समर्थन पर अपना व्याख्यान दिया। फिर पूरे पाठ्यक्रम के साथ प्रतिभागियों के सीखने का आकलन करने के लिए एक मॉक टेस्ट लिया गया। सभी प्रतिभागियों ने प्रथम श्रेणी के अंकों से ऊपर अंक प्राप्त किए जो उनके द्वारा उच्चतम स्तर की रुचि और गंभीरता को दर्शाता है। प्रधान निदेशक, क्षे.प्र.सं., कोलकाता द्वारा विदाई समारोह के साथ प्रशिक्षण का समापन इस उम्मीद के साथ किया कि प्रशिक्षण इस विषय पर और अधिक सीखने की उत्सुकता विकसित करेगा और आने वाली लेखापरीक्षा में तकनीक का सफल उपयोग होगा। उन्होंने यह भी अनुमान लगाया कि ऑडिट की आवश्यकता को देखते हुए क्षे.प्र.सं., कोलकाता भविष्य में इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करेगा। क्षेत्रीय सुदूर संवेदन केंद्र-पूर्व, (Regional Remote Sensing Centre-East), एन.आर.एस.सी., /इसरो (NRSC/ISRO), कोलकाता से धन्यवाद प्रस्ताव दिया गया और प्रतिभागियों को प्रशिक्षण समापन प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

प्रशिक्षण प्रतिभागियों के लिए बिल्कुल नया अनुभव था। लेखापरीक्षा उद्देश्य में प्रौद्योगिकियों के उभरते उपयोग के साथ यह एक बहुत ही उपयोगी और अत्यधिक आवश्यक प्रशिक्षण कार्यक्रम था। वे रिमोट सेंसिंग और जीआईएस के तकनीकी पहलू और क्यू.जी.आई.एस. (QGIS) में उपयोग से अवगत हुए।

कुछ प्रतिभागियों की प्रशिक्षण कार्यक्रम पर प्रतिक्रिया नीचे दी गई है:

क्षे.प्र.सं. प्रशिक्षण के अपने 3 दशक के अनुभव के आधार पर मेरी उम्मीदें सामान्य थीं, हालांकि, मुझे यह जानकर आश्चर्य हुआ कि इसरो के विशेषज्ञों की एक मंडली इस विषय पर लेखापरीक्षा अधिकारियों को तैयार करने के लिए आई थी, जो लेखापरीक्षा में साक्ष्य संग्रह का भविष्य था। जीआईएस ज्ञान से अत्यधिक संतुष्ट और समृद्ध महसूस कर रहा हूं।

यह एक शानदार अनुभव था। मैंने जीआईएस के बारे में बहुत सी नई चीजें सीखीं जो मुझे पेशेवर और व्यक्तिगत जीवन में मदद करेंगी। व्यावहारिक भाग और व्याख्यान भाग दोनों व्यापक और विस्तृत थे। विशेष रूप से मैं प्रधान निदेशक सर के प्रयास का उल्लेख करना चाहूंगा जो उत्साहजनक था।

कोर्स बहुत ही रोचक था। मुझे अंतरिक्ष के क्षेत्र में हुए नए विकास के बारे में पता चला और कैसे यह नियोजन के लिए एक महत्वपूर्ण उपकरण बन गया।

जिस तरह से प्रशिक्षकों ने उदाहरणों के साथ विषयों को स्पष्ट रूप से समझाया वह बहुत अच्छा था और उम्मीद है कि मैं व्यावहारिक क्षेत्र यानी ऑडिट में इस ज्ञान का उपयोग कर सकता हूं। इस विषय पर विभाग के और कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया जाना चाहिए। जैसा कि हम इस तकनीक के उपयोगकर्ता हैं, बड़ी संख्या में कर्मचारियों के लिए एक

बुनियादी ज्ञान भविष्य में लेखापरीक्षा के दौरान सहायक हो सकता है।

मध्य कैरियर प्रशिक्षण कार्यक्रम स्तर 2, 5वां बैच

क्षे.प्र.सं., कोलकाता ने विभिन्न कार्यालयों के 30 प्रतिभागियों के साथ 19.09.2022 से 24.09.2022 तक मिड-कैरियर प्रशिक्षण कार्यक्रम के पांचवें बैच की व्यवस्था की।

कुछ प्रतिष्ठित संकाय जैसे तरनजीत कौर चैहान, मुख्य अधिकारिता कोच, आईसीबीआई (ICBI), डॉ. पापिया उपाध्याय, सहायक प्राध्यापक,एन.स.ओ.यू. (NSOU), श्री राजर्षि मुखर्जी, आई.सी.एफ.ए.आई. (ICFAI) विश्वविद्यालय के पूर्व फैसिलिटेटर (Facilitator), श्री शिवब्रत पाल, उप महाप्रबंधक (Deputy General Manager), आरबीआई, श्री साकेत कुमार शर्मा, निदेशक, आरबीआई, श्री अविक रे, एनआईसी के वैज्ञानिक डी, सुश्री अपरूपा दत्ता, प्रोजेक्ट्स और स्टेकहोल्डर मैनेजर (Projects and Stakeholder Manager), वाई-ईस्ट (Y-East), श्री सुमन गांगुली, एडवोकेट, कोलकाता उच्च न्यायालय और श्री पवन कुमार कोंडा, वरिष्ठ डीएजी थे जिन्हें प्रभावी संचार (Effective Communication), सामाजिक कौशल (Social Skill), समूह गतिशीलता (Group Dynamics), समूह निर्माण (Group Formation), संघर्ष, प्रेरणा (Conflicts, Motivation), व्यक्तिगत और व्यावसायिक नैतिकता (Personal and Professional Ethics), वित्तीय बाजार (Financial Markets), पूंजी बाजार (Capital Markets), सार्वजनिक वित्त और सार्वजनिक वित्त के सिद्धांत (Public Finance and Principles of Public Finance), सूचना प्रौद्योगिकी प्रणाली और उनके जोखिम (Information Technology System and their risks), साइबर सुरक्षा (Cyber Security), लैंगिक संवेदीकरण (Gender Sensitisation), लैंगिक अवधारणाएं रूढ़िवादिता और इसका प्रभाव (Concepts of Gender Stereotyping and its impact), सतत विकास और इसके

लक्ष्य (Sustainable Development and its goals) आदि जैसे पाठ्यक्रम विषयों पर अपने व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया तथा अपने जमीनी स्तर के काम से अपने अनुभव को साझा किए। सभी सत्र प्रतिभागियों के लिए बहुत ही संवादात्मक और सूचनात्मक थे। प्रतिभागियों को त्वरक विज्ञान और प्रौद्योगिकी (Accelerator Science & Technology), परमाणु विज्ञान (Nuclear Science) (सैद्धांतिक (Theoretical) और प्रायोगिक (Practical)) के क्षेत्र में अनुसंधान और विकास पर आधारभूत विचार प्रदान करने के लिए परमाणु ऊर्जा विभाग की अनुसंधान और विकास इकाई,परिवर्तनीय ऊर्जा साइक्लोट्रॉन सेंटर (VECC), कोलकाता के आधे दिन के क्षेत्र के दौरे पर ले जाया गया। वीईसीसी (VECC), कोलकाता ने अनुसंधान प्रयोगशालाओं और साइक्लोट्रॉन के कार्य और कार्यों के विवरण के साथ उनके अवलोकन के लिए दौरे की व्यवस्था की। इस तरह के एक महत्वपूर्ण और प्रतिष्ठित परमाणु अनुसंधान संगठन का दौरा करने के अवसर के साथ यह हमारे प्रतिभागियों के सामान्य दिन-प्रतिदिन के काम से पूरी तरह से एक नया क्षेत्र था। सभी प्रतिभागियों ने दौरे का लुत्फ उठाया।

कुछ प्रतिभागियों की प्रशिक्षण कार्यक्रम पर प्रतिक्रिया नीचे दी गई है:

प्रशिक्षण ने विषयों के व्यापक स्पेक्ट्रम का अवलोकन करने में मदद की जो अन्यथा संभव नहीं था। विषय हमारे आसपास होने वाली घटनाओं के लिए प्रासंगिक हैं या हम नियमित आधार पर सामना करते हैं लेकिन अन्यथा महत्व नहीं दिया जाता है।

हमने परमाणु केंद्र, कोलकाता में वीईसीसी स्थान का दौरा किया है। निश्चित रूप से, यह हमारे विषय से बाहर है और विभिन्न सोच और ज्ञान सिर्फ एक वाणिज्य छात्र होने के नाते परमाणु विज्ञान के क्षेत्र में हमारे ज्ञान को बढ़ाने का प्रयास करते हैं।

अगली बार, मैं पाठ्यक्रम के दौरान सीखी गई बातों को लागू करने का प्रयास करूँगा। पाठ्यक्रम में मेरे लिए अभिनव

क्षेत्र शामिल है जिसे ठीक से व्यवस्थित किया गया था।

प्रशिक्षण हमारे विभाग द्वारा प्रदान किए जाने वाले सामान्य शैक्षणिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों से काफी अलग है। उत्पादकता/बेहतर आउटपुट बढ़ाने के लिए टीम के सदस्यों को बेहतर ढंग से समझने के लिए समूह की गतिशीलता के बारे में सीखने से बेहतर अंतर्दृष्टि मिली है।

अगस्त 2022 को हिंदी निरीक्षण के दौरान प्रधान निदेशक (राजभाषा), श्री कमलजीत सिंह रामुवालिया का स्वागत करते हुए क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थान, कोलकाता के प्रधान निदेशक, श्री अतुल प्रकाश

प्रधान निदेशक (राजभाषा) ने वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी एवं वरिष्ठ हिन्दी अनुवादक सहित दिनांक 26.08.2022 को इस संस्थान का हिन्दी निरीक्षण किया। उन्होंने सरकारी कामकाज में राजभाषा के विकास के लिए इस संस्थान द्वारा किए गए

प्रयासों की सराहना की। निरीक्षण दल ने अपना निरीक्षण प्रतिवेदन प्रस्तुत किया तथा उनके द्वारा बताये गये सभी बिन्दुओं का पालन करते हुए उत्तर आवश्यक कार्रवाई हेतु अग्रेषित कर दिया गया है। निरीक्षण के दौरान टीम को बताया गया कि इस कार्यालय में वर्तमान में कोई हिंदी कर्मी तैनात नहीं है और एक वरिष्ठ लेखा परीक्षक अपने आवंटित कर्तव्यों के अतिरिक्त राजभाषा संबंधी कार्य कर रहा है। यह भी बताया गया कि इस संस्थान को एक कनिष्ठ अनुवादक का पद स्वीकृत किया गया है, जिसके प्रति किसी व्यक्ति का कार्यग्रहण किया जाना बाकी है। निरीक्षण दल को यह भी बताया गया कि नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति द्वारा आयोजित बैठक में इस संस्थान ने भाग लिया है और इसकी सराहना की गई है। इस संस्थान ने कार्यालय महालेखाकार (लेखापरीक्षा-II), पश्चिम बंगाल कोलकाता द्वारा आयोजित हिंदी कार्यशाला में भी भाग लिया जिसकी निरीक्षण टीम ने भी सराहना की। निरीक्षण दल ने इस संस्थान द्वारा किए गए हिंदी संबंधी कार्यों के समग्र प्रदर्शन पर अपनी संतुष्टि व्यक्त की।

जुलाई से सितम्बर 2022 तक आयोजित सामान्य प्रशिक्षण पाठ्यक्रम:

सीओटीपी 2022-23 में उल्लिखित निम्नलिखित प्रशिक्षण कार्यक्रम भी वित्तीय वर्ष 2022-23 की दूसरी तिमाही के दौरान आयोजित किए गए थे

क्र सं	प्रशिक्षण का नाम	कब से	कब तक
1	भारतीय लेखा मानकों पर संगोष्ठी (इंड-एएस) (Seminar on Indian Accounting Standards(Ind_AS)	25/07/2022	29/07/2022
2	लेखापरीक्षा साक्ष्य और लेखापरीक्षा योजना (Audit Evidence and Audit Planning)	17/08/2022	19/08/2022
3	लेखा और एसएफआर पर नोट्स तैयार करने पर कार्यशाला (Workshop on preparation of Notes to Accounts and SFR)	05/09/2022	07/09/2022

जुलाई से सितंबर 2022 तक आयोजित किए गएसूचना प्रौद्योगिकी पाठ्यक्रम

द्वितीय तिमाही में, जुलाई 2022 से सितंबर 2022 के दौरान निम्नलिखित आईटी पाठ्यक्रम आयोजित किए गए

क्र सं	कोर्स का नाम	किस तिथि से	किस तिथि तक
1	एमएस एक्सेल - एडवांस (MS Excel - Advance)	25-07-2022	27-07-2022
2	ओरेकल पीएल-एसक्यूएल (Oracle PL-SQL)	01-08-2022	05-08-2022
3	आईटी एनवायरनमेंट में लेखापरीक्षा (Audit in IT Environment)	22-08-2022	26-08-2022

4	भविष्य (Bhavishya)	05-09-2022	07-09-2022
5	ई-प्रापण, जी.ई.एम. (e-Procurement, GeM)	12-09-2022	14-09-2022
6	तालिका संरचना और वीएलसी में डेटा फ्लो (Table Structure & Data flow in VLC)	19-09-2022	20-09-2022

आई.ए. एवं ए.डी. में चल रहे भविष्य (Bhavishya), जी.ई.एम. (GeM) और वीएलसी (VLC) जैसे आईटी एप्लिकेशन का संचालन उपयोगकर्ता कार्यालयों के प्रतिभागियों को प्रत्यक्ष रूप से इन अनुप्रयोगों से निपटने वाले संकायों को आमंत्रित करके व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए किया गया था। प्रतिभागियों द्वारा दिए गए फीडबैक के अनुसार संतुष्टि का स्तर उच्च था।

आईटी पर्यावरण में लेखापरीक्षा आदि पाठ्यक्रमों में पर्याप्त मामले अध्ययन शामिल किए गए थे। क्षेत्रीय लेखापरीक्षा के दौरान सी.ए.ए.टी. (CAAT) का उपयोग करने वाले संकायों का उपयोग करके डेटा निष्कर्षण, विश्लेषण पर अपने हाल के अनुभव को साझा करने के लिए आमंत्रित किया गया था।

विविध

17 स्मार्ट टीवी खरीद हेतु निधियाँ प्राप्त हुई हैं। स्मार्ट टीवी के क्रय की प्रक्रिया प्रगति पर है। स्मार्ट टीवी सामान्य क्लासरूम, ईडीपी लैब और कॉन्फ्रेंस हॉल (Conference Hall) में लगाए जाएंगे। जैसा कि क्षे.प्र.सं., कोलकाता द्वारा प्रस्तावित किया गया है, मुख्यालय कार्यालय ने 6 वर्ष से अधिक पुराने कंप्यूटरों के प्रतिस्थापन के लिए 39 (उनतालीस) डेस्कटॉप स्वीकृत किए हैं। सामान्य कक्षा और एक ईडीपी लैब को स्मार्ट क्लास में परिवर्तित करने का प्रस्ताव मुख्यालय कार्यालय को भेजा गया है।

क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थान कोलकाता
भारतीय लेखापरीक्षा और लेखा विभाग
तीसरी एमएसओ बिल्डिंग, सीजीओ कॉम्प्लेक्स, पांचवीं मंजिल (ए विंग), डीएफ ब्लॉक, साल्ट लेक, सेक्टर - I, कोलकाता 64
दूरभाष संख्या (033) 23213907/6708 फैक्स: (033)23216709
ई - मेल: rtikolkata@cag.gov.in

i